



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 13, 1986/फाल्गुन 22, 1907

No. 15]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 13, 1986/PHALGUNA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as  
separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(ब)(1) के अधीन सूचना

मद्रास, 6 मार्च, 1986

निवेदन सं. 99/जून/85.—अतः मुझे श्रीमती एम. सागुबेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे  
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 के  
अधीन, सक्षम अधिकारी को, यह दिखाने करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु.  
से अधिक है और जिसकी सं. डोर सं. 15 है, जो गजियप्पा  
नाइक्कल स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दम. सं. 1643/85) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 48) के  
अधीन 1-6-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति ऐसे प्रकट प्रतिफल  
के लिए जो उस संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम है, अन्त-  
रित कर दी गई है और मुझे यह दिखाने करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके प्रकट  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पक्षकारों के बीच

करार किए गए ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल का अन्तरण लिखित  
में इस उद्देश्य से सत्यापन नहीं किया गया है कि :—

- (क) अन्तरकधी उस अन्तरण से उद्भूत होने वाली आय  
की बाबत इस अधिनियम के अधीन कर संवाय  
करने के दायित्व को कम करने को या इसके  
अपवर्धन को सुकर बनाया जाए ; या
- (ख) किसी आय या धन या अन्य अस्तियों के, जो प्रकट  
नहीं की गई है या जो भारतीय आयकर अधि-  
नियम, 1922, या इस अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 के प्रयोजनों के लिए अनुरिती  
द्वारा प्रकट की जानी चाहिए थी, छिपाने को  
सुकर बनाया जाए ।

अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क के शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां प्रारम्भ करने का कारण मैंने द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम. वेणुगोपाल

(अन्तरक)

2. श्री के. प्रवीन कुमार

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां प्रारम्भ करी हैं। उक्त सम्पत्ति व. अर्जन के विरुद्ध आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कालावधि के अन्दर तत्संबंधित व्यक्तियों पर सूचना तामील किए जाने की तारीख से 30 दिन की कालावधि के अन्दर, इनमें से जो भी बाद में समाप्त हो, किए जा सकते हैं।

(ख) ऐसी स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ऐसे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित रूप में किये जा सकते हैं।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के विरुद्ध इस सूचना के उत्तर में आक्षेप, यदि कोई दिए जाएं तो, उनकी सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जिसने आक्षेप किया हो, तथा अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति, जिनको पूर्वोक्त परों के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई में सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वही अर्थ होगा जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में स्थापित है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर नं. 15, आडिप्पा नाइक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1

[डी जो सी. नं. 1643/85]

तारीख : 6-3-86

मोहर :

श्रीमती एम. सामुएल, सक्षम प्राधिकरणी,  
(निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त),  
अर्जन रेंज

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Notice under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Madras, the 6th March, 1986

Ref. No. 99/June/85.—Whereas, I, Mrs. M. Samuel, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Door No. 15 Audiappa Naicken Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1643/85) on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Venugopal, 190, Govindappa Naicken Street, Madras-1 (Transferor)

(2) Sri K. Pravin Kumar, S/o Kanthilal Jain, 207, Govindappa Naicken Street, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of Notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEULE

Land and Building at Door No. 15, Audiappa Naicken Street, Madras-1

(Doc. No. 1643/85)

MRS. M SAMUEL, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-11(I)C,

Dated : 6-3-86

Seal :